स्वीकारोक्तकिा साहस एवं सुधार करने की नष्ठिा सफलता के दो मंत्र है

"[illegible]"

- [illegible]

मंडेला के शब्द सफलता के सार को प्रतध्विनति करते हैं, यह एक ऐसी यात्रा है जो **सफलता और कष्ट** दोनों से भरी है। महत्त्वाकांक्षा और प्रतभिा हमें आगे बढ़ाती हैं, जबकसिच्ची प्रगतदिो परस्पर जुड़ी हुई कुंजियों - स्वीकार करने का साहस और सुधार के प्रतसिमर्पण - से ही पनपती है।

साहस का अर्थ है **डर का सामना करना और परस्थितियों को स्वीकार करना,** जबकसिमर्पण नरिंतर सुधार को प्रेरति करता है। साहस का अर्थ डर का सामना करना तथा कमज़ोरियों को स्वीकार करना है। इसके लयि वर्तमान परस्थितियों को स्वीकार करना एवं असफलता को एक बाधा के बजाय एक कदम के रूप में देखना आवश्यक है। समर्पण नरिंतर सुधार को बढ़ावा देता है, लचीलापन व अनुशासन को बढ़ावा देता है। यह वकिास की मानसकिता पैदा करता है, तत्काल संतुष्टपिर दीर्घकालकि लक्ष्यों को प्राथमकिता देता है।

साहस और समर्पण मलिकर एक मज़बूत साझेदार बनते हैं, **जो जीवन की यात्रा के उतार-चढ़ाव के दौरान व्यक्तयों का मार्गदर्शन** करते हैं, जैसा कि इतहिास में अनेक कहानयिों तथा उदाहरणों से स्पष्ट होता है:

उदाहरण के लयि **थॉमस एडसिन** ने कहा था, "मैं असफल नहीं हुआ हूँ। मैंने सरि्फ 10,000 ऐसे तरीके खोजे हैं जो काम नहीं करेंगे।" उनकी दृढ़ता और साहस तथा समर्पण के माध्यम से असफलता को नए सरिे से परभिाषति करने के कारण क्रांतकिारी आवष्किार हुए।

जे.के. रोलगि की हैरी पॉटर की पुस्तक के लयि प्रारंभकि अस्वीकृतयिह दर्शाती है कसिफलता का मार्ग कभी भी सीधा नहीं होता। अप्रत्याशति बाधाएँ और चुनौतयिाँ वकिास के लयि उत्प्रेरक हो सकती हैं, यदअिसफलता का सामना करने का साहस तथा नरिंतर सुधार के प्रतसिमर्पण दखिाया जाए।

एकलव्य की प्रसदि्ध कथा के अनुसार, वह न केवल अपने गुरु के प्रतअिटूट नष्ठिा प्रदर्शति करता है, बल्कअिपने गुरु के इनकार और उसके बाद **अर्जुन** द्वारा अपमानति होने सहति अपनी परस्थितियों को स्वीकार करने में उल्लेखनीय साहस भी प्रदर्शति करता है। इन चुनौतयिों के बावजूद, एकलव्य सीखने तथा अपने कौशल में सुधार करने के प्रतअिटूट समर्पण प्रदर्शति करता है।

राजनीतकि क्षेत्र में **मलाला यूसुफजई** जैसे व्यक्तसिाहस की भावना का प्रतीक हैं। **तालबिान की धमकयिों** से वचिलति हुए बनिा, उन्होंने लड़कयिों की शकि्षा के लयि लड़ने का साहस कयिा, जसिसे एक वैश्वकि आंदोलन शुरू हुआ, जो आज भी जारी है। लाइबेरयिा की पहली महलिा राष्ट्रपत**िसरलीफ** को युद्धग्रस्त देश के पुनर्नरि्माण में अपार चुनौतयिों का सामना करना पड़ा। आलोचना के बावजूद, उन्होंने साहसपूर्वक भ्रष्टाचार और आर्थकि अस्थरिता का सामना कयिा तथा अपने लोगों के लयि शासन, शकि्षा तथा स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने हेतु स्वयं को समर्पति कर दयिा।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदरिा गांधी के नेतृत्व में भारत का **"गरीबी हटाओ" आंदोलन,** देश की सामाजकि-आर्थकि चुनौतयिों को स्वीकार करने के साहस और अपने नागरकिों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रतसिमर्पण का उदाहरण है।

भू-राजनीतकि संदर्भ में केवल तेल राजस्व पर नरि्भर रहने की कमज़ोरयिों को पहचानते हुए, **सऊदी अरब** ने वशिेष रूप से पर्यटन, प्रौद्योगकिी, बुनयिादी ढाँचे और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में महत्त्वाकांक्षी आर्थकि सुधार शुरू कयि हैं। आर्थकि ववििधीकरण को अपनाकर, सऊदी अरब परविर्तन की आवश्यकता को स्वीकार करने में साहस का परचिय देता है तथा तेज़ी से वकिसति हो रहे वैश्वकि परदृिश्य में अपनी दीर्घकालकि आर्थकि स्थरिता और लचीलेपन में सुधार लाने के लयि समर्पण दर्शाता है।

भू-राजनीतकि संदर्भ में केवल तेल राजस्व पर नरि्भर रहने की कमज़ोरयिों को पहचानते हुए, **सऊदी अरब** ने वशिेष रूप से पर्यटन, प्रौद्योगकिी, बुनयिादी ढाँचे और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में महत्त्वाकांक्षी आर्थकि सुधारों की शुरुआत की है। आर्थकि ववििधीकरण को अपनाकर, सऊदी अरब ने**परविर्तन की आवश्यकता को स्वीकार करने तथा तेज़ी से वकिसति** हो रहे वैश्वकि परदृिश्य में अपनी दीर्घकालकि आर्थकि स्थरिता एवं लचीलेपन को बेहतर बनाने के लयि समर्पण का साहस दखिाया है।

इसी तरह सामाजकि क्षेत्र **LGBTQ+ अधकिारों** की लड़ाई से जुड़ा हुआ है। **एडथि वडिसर** की ववािह समानता की साहसी खोज, ऐतहिासकि, **यूनाइटेड**

स्टेट्स बनाम विंडसर मामले में परिणित हुई, जिसने सामाजिक कलंक के सामने समर्पण की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रदर्शित किया।

आर्थिक रूप से **1990 के दशक** में भारत के **LPG सुधार** आर्थिक गिरावट को स्वीकार करने के साहस और सुधार के प्रति समर्पण से प्रेरित साहसिक नीतिगत निर्णयों का उदाहरण हैं। व्यापार तथा निवेश को उदार बनाना, राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों का निजीकरण करना एवं वित्तीय क्षेत्र को विनियमित करना महत्त्वपूर्ण आर्थिक विकास का कारण बना, विदेशी निवेश को आकर्षित किया व उद्यमशीलता की संभावनाओं को उन्मुक्त किया।

पारिस्थितिक परिदृश्य भी साहस और समर्पण की आवश्यकता को प्रतिध्वनित करता है। **भारत में चिपको आंदोलन** 1970 के दशक में वनों की रक्षा के लिये एक जमीनी स्तर पर प्रयास के रूप में शुरू हुआ था। पर्यावरण कार्यकर्त्ता **सुंदरलाल बहुगुणा** के नेतृत्व में तथा स्थानीय महिलाओं से प्रेरित होकर चलाए गए इस आंदोलन में वृक्षों को नष्ट होने से बचाने हेतु उन्हें गले लगाना शामिल था। इस साहसिक कार्य से न केवल जागरूकता बढ़ी, बल्कि वन प्रबंधन में समुदायों के अधिकारों को मान्यता देने वाली सरकारी नीतियों को भी जन्म दिया।

अंतरिक्ष क्षेत्र में **चंद्रयान-2** से जुड़ी असफलताओं के बावजूद, इसरो की चंद्रयान-3 की त्वरित घोषणा और स्पष्ट क्रियान्वयन, उसके अटूट साहस और समर्पण को दर्शाता है।

खेल जगत में **विराट कोहली** जैसे लोगों ने वर्ष 2014 में इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद अपनी कमियों को स्वीकार करने का साहस और सुधार के प्रति समर्पण का परिचय दिया। उन्होंने आलोचना को प्रेरणा में बदला, अपने कौशल को निखारा तथा भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

पेशेवर क्षेत्र में IAS अधिकारी **अशोक खेमका** एक प्रमुख उदाहरण हैं। धमकियों और तबादलों का सामना करने के बावजूद, उन्होंने सच्चाई तथा न्याय के प्रति अपने समर्पण में अडिग रहते हुए भूमि सौदों में भ्रष्टाचार की जाँच की।

हालाँकि साहस और समर्पण की खोज में, व्यक्तियों को अक्सर ऐसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है जो उनकी प्रगति में बाधा डालती हैं और उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने की क्षमता को बाधित करती हैं। एक महत्त्वपूर्ण बाधा **भय** है - **असफलता, अस्वीकृति या अनिश्चितता का भय** व्यक्तियों को पंगु बना सकता है, उन्हें जोखिम लेने तथा अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर कदम रखने से रोक सकता है। इसके अतिरिक्त **सामाजिक मानदंड एवं अपेक्षाएँ बाधाओं के रूप में काम कर** सकती हैं, व्यक्तियों की आकांक्षाओं पर सीमाएँ लगा सकती हैं व उन्हें अपने जुनून का पीछा करने से हतोत्साहित कर सकती हैं।

इसके अलावा **आत्म-संदेह और असुरक्षा व्यक्ति** के आत्मविश्वास तथा प्रेरणा को कमज़ोर कर सकती है, जिससे प्रतिबद्धता एवं दृढ़ता की कमी हो सकती है। इसके अलावा बाहरी दबाव व विकर्षण, जैसे **वित्तीय बाधाएँ या व्यक्तिगत दायित्व, व्यक्तियों का ध्यान व ऊर्जा को उनके लक्ष्यों से दूर कर** सकते हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लिये **लचीलेपन, आत्म-जागरूकता, सीमित मान्यताओं और सामाजिक मानदंडों** को चुनौती देने की इच्छा की आवश्यकता होती है। आंतरिक शक्ति विकसित करके, दूसरों से सहायता प्राप्त करके तथा अपने मूल्यों, आकांक्षाओं के प्रति सच्चे रहकर, व्यक्ति इन बाधाओं को तोड़ सकते हैं तथा साहस, समर्पण के साथ अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकते हैं।

इसके अलावा, साहस और समर्पण की इस शक्तिशाली युगल को एक महत्त्वपूर्ण साथी "ज्ञान" की आवश्यकता होती है। बिना **आत्म-चिंतन, अनुकूलनशीलता तथा सीखने की इच्छा के बिना आँख मूंदकर आगे बढ़ना** अनपेक्षित परिणामों को जन्म दे सकता है। **मलाला के समर्थन** पर विचार करें तो यह शिक्षा से आगे बढ़कर व्यापक मानवाधिकार मुद्दों को शामिल करने के लिये विकसित हुआ, जिससे उनकी विकसित होती हुई बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन हुआ एवं हमेशा कुछ अतिरिक्त करने का लक्ष्य रखा।

"साधारण और असाधारण के बीच का अंतर बस कुछ अधिक है।" **- जिमी जॉनसन**

वास्तव में असाधारण सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की कहानियाँ अक्सर **कुछ अधिक निवेश करने** की उनकी इच्छा को दर्शाती हैं, चाहे वह **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** का "मिसाइल मैन" के रूप में भारत की अंतरिक्ष और रक्षा क्षमताओं को आगे बढ़ाने के लिये अथक प्रयास हो, **मदर टेरेसा** का सबसे गरीब लोगों की सेवा करने हेतु निस्वार्थ समर्पण हो या फिर **लता मंगेशकर** का संगीत के प्रति बेजोड़ समर्पण हो, जो भारत की सबसे प्रतिष्ठित पार्श्व गायिकाओं में से एक बन गईं।

अंत में नेल्सन मंडेला का शक्तिशाली रूपक हमें याद दिलाता है कि **सफलता का मतलब गिरने से बचना नहीं है, बल्कि और अधिक ताकत तथा स्पष्टता के साथ उठ खड़ा होना** है। वास्तविकता को स्वीकार करने का साहस, सुधार के प्रति समर्पण एवं बुद्धिमता द्वारा मार्गदर्शन, हमारे जीवन के सभी आयामों में सकारात्मक परिवर्तन की संभावनाओं को खोलता है।

"[illegible]" - [illegible]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/courage-to-accept-and-dedication-to-improve-are-two-keys-

to-success